महत्वपूर्ण एवं खास

ऑनलाइन परीक्षा के मद्देनजर हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी का गाइडलाइंस जारी

दुर्ग (आरएनएस)। ऑनलाइन परीक्षा को लेकर हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग ने गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के तहत छुट्टियों के दिन छोडक़र हर दिन परीक्षाएं होंगी। बड़ी बात ये है कि परीक्षा के दिन ही केंद्रों में आंसरशीट जमा करनी होगी। वहीं, पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की परीक्षाएं 5 अप्रैल से और अंडर ग्रेजूएट की परीक्षाएं 16 अप्रैल से होंगी। परीक्षार्थी जिन कॉलेजों में आवेदन जमा किए हैं, वहीं से आंसरशीट ले सकते हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रश्नपत्र परीक्षा वाले दिन ही सुबह 8 बजे अपलोड होगा। परीक्षार्थी सवालों के जवाब सुबह 8 से 11 बजे तक लिखेंगे। दोपहर 12 से 3 तक आंसरशीट जमा करनी होगी। वहीं जो परीक्षार्थी कॉलेज में परीक्षा देना चाहेंगे, उनके लिए वहां पर भी व्यवस्था रहेगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

रतनपुर (आरएनएस)। अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना गुरूवार की बताई जा रही है। हादसा रतनपुर थाना क्षेत्र के खैरा चपोरा मेन रोड में हुआ। बताया जा रहा है कि मृतक छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में चौकीदारी का काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार, बरभाटा निवासी रंजीत सिंह टेकाम उम्र 70 वर्ष को खैरा चपोरा मेन रोड में अज्ञात वाहन ने बीते कल अपने चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया और दुर्घटना की जानकारी दी। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अज्ञात लोगों ने नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्य को चाकू से किया हमला

कांकेर (आरएनएस)। जिले के धुर नक्सल प्रभावित बडग़ांव थाना क्षेत्र अंतर्गत मदले बाजार में अज्ञात हमलावरों ने बाजार गए नक्सल पीडित परिवार का सदस्य राकेश पोटाई पर चाकू से हमला कर दिया। घायल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है जिसे उपचार के लिए कांकेर जिला अस्पताल भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सल पीडित परिवार का सदस्य राकेश पोटाई बडग़ांव में ही अपने परिवार के साथ रहता था, लेकिन कुछ दिनों से अपने गांव में वापस जाकर रह रहा था, युवक आज शाम मदले के बाजार गया हुआ था, जहां अज्ञात लोगों ने इस पर चाकू से हमला कर दिया, युवक की हालत बेहद गम्भीर है, जिसे दुर्गकोंदल में प्राथमिक उपचार के बाद कांकेर जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने इस घटना को नक्सल घटना मानने से इंकार किया है, पुलिस के अनुसार युवक की बाजार में ही कुछ दिन पहले किसी से विवाद हुआ था, जिसकी जांच की जा रही है।

आईपीएल मैच के दौरान सट्टा खिलाने वाले 12 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी पुलिस ने आईपीएल सट्टा में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नई जनरेशन की मशीन के साथ 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें 7 आरोपी तेलीबांधा और 5 आरोपी आजाद चौक थाना क्षेत्र के हैं। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा और आजाद चौक थाना पुलिस ने आईपीएल में नई जनरेशन की मशीन से सट्टा खेलाते 12 सटोरियों को अरेस्ट किया है। इसमें 7 आरोपी तेलीबांधा और 5 आरोपी आजाद चौक थाना क्षेत्र के हैं। बताया जा रहा है कि इस मशीन के जरिए एक साथ 20 लोगों को ऐड किया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी आईपीएल सट्टा के दौरान सक्रिय रहते हैं। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 47 हजार रुपए कैश सहित 4 एलईडी टीवी, प्रिंटर मशीन, 69 मोबाइल और सट्टा मशीन बरामद किया है।

जशपुर से निकलकर देश के दूसरे हिस्सों में पहुंचा पौष्टिक और स्वादिष्ट काजू

- जिले के 8 हजार किसान काजू की खेती से कर रहे आमदनी
- काजू प्रोसेसिंग यूनिट में महिलाओं को मिल रहा काम

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में अब परम्परागत खेती से अलग कृषि क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं। इसी कड़ी का हिस्सा जशपुर में होने वाली काजू की खेती है। यहां जिले के करीब आठ हजार किसान काजू की खेती से जुड़े हैं और बेहतर आय प्राप्त कर रहे हैं। इसी तरह जिले में स्थापित काजू प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए भी रोजगार मिल रहा है, जिनसे महीने में लगभग 28-30 हजार रुपये तक आमदनी हो रही है। जशपुर काजू अपनी पौष्टिकता और स्वाद की वजह से विशेष पहचान बना रहा है, जिससे अब इसकी डिमांड राज्य के अन्य शहरों के साथ ही देश के दूसरे राज्यों में भी हो रही है। जशपुर काजू को बाजार तक पहुंचाने का माध्यम ट्राइफेड बन रहा है।

काजू प्रोसेसिंग यूनिट में महिलाओं को मिल रहा काम

छत्तीसगढ़ के उत्तरी क्षेत्र में मौसम मैदानी और दक्षिणी क्षेत्रों से अलग है। जशपुर में मौसम की अनुकूलता को देखते हुए जिला प्रशासन जशपुर में परम्परागत खेती से अलग बागवानी और उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहित कर रही है। इस क्रम में जशपुर में चाय और काजू की खेती का नवाचार हुआ। जशपुर की आबोहवा काजू की खेती के लिए बेहद अनुकूल है, ऐसे में लगातार यहां काजू की खेती की ओर किसान आकर्षित हो रहे हैं। इसके लिए उद्यानिकी विभाग की ओर से किसानों को उन्नत किस्म के काजू के पौधे और उन्नत कृषि की तकनीकी जानकारी मुहैया कराई जा रही है। जिले में काजू की उत्पादकता को देखते हुए जिला प्रशासन के सहयोग से यहां काजू प्रोसेसिंग प्लांट भी स्थापित कर दिया गया है। काजू प्रोसेसिंग प्लांट लगने के बाद से किसानों को फसल की तिगुनी-चौगुनी कीमत भी मिलने लगी है। मिली जानकारी के मुताबिक पहले किसान 30-40 रुपये प्रति किलो की दर से काजू का फल बेचते थे। अब जिले में ही प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित होने के बाद किसानों से काजू की फसल 80, 100 और 120 रुपये की दर से खरीदी जा रही है। प्रोसेसिंग प्लांट में काजू के प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बाद इसे बाजार में भेजा जाता है।

लगभग 8 हजार किसान काजू की खेती से जुड़े -

काजू की खेती और प्रसंस्करण के बाद बाजार में मिलने वाली कीमत को देखते हुए जिले में लगातार किसान काजू की फसल लेने लगे। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिले के अंतर्गत दुलदुला में दो हजार किसान, कुनकुरी में दो हजार, कांसाबेल में एक हजार, पत्थलगांव में 800 और फरसाबहार में 500 किसान काजू की खेती कर रहे हैं। वहीं वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से किए गए काजू प्लांटेशन से करीब डेढ़ हजार किसान जुडक़र खेती कर रहे हैं। इस तरह से लगभग आठ हजार किसान काजू की खेती से जुडक़र आय प्राप्त कर रहे हैं।

ट्राइफेड बना सेतू -

जशपुर के किसानों और बाजार के बीच ट्राइफेड सेतू की भूमिका निभा रहा है। प्रोसेसिंग प्लांट से प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बाद निकलने वाले काजू के लिए बाजार उपलब्ध कराने का काम ट्राइफेड कर रहा है। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगने वाले मेला और एग्जीबिशन समेत दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे देश के दूसरे राज्यों के विभिन्न शासकीय व गैर-शासकीय एग्जीबिशन में भी जशपुर काजू का स्टाल लगाया जाता है।

संजीवनी केन्द्रों में भी जशपुर काजू -

संजीवनी केन्द्रों में भी जशपुर काजू - जशपुर काजू की बढ़ती मांग को देखते हुए इसके मार्केटिंग पर भी खासा ध्यान दिया जा रहा है। राज्य शासन के जरिए भी लगातार अनेक माध्यमों से जशपुर काजू को प्रमोट किया जा रहा है। वन विभाग की ओर से संचालित संजीवनी केन्द्रों में काजू को जशपुर ब्रांड नेम से बेचा जा रहा है। वहीं अब इसे ऑनलाइन मार्केट प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराने की कवायद हो रही है।

महिलाओं को मिल रहा रोजगार -

जशपुर में काजू की खेती से जहां आठ हजार किसानों को बेहतर आय का जरिया मिला है। वहीं प्रोसेसिंग के काम में लगी स्व-सहायता समूह की दस महिलाओं को भी रोजगार मुहैया हो रहा है। प्रोसेसिंग और पैकेजिंग में रोजगार पाकर महिलाएं परिवार को आर्थिक मदद कर रही हैं। इससे उनमें नया आत्मविश्वास जागा है और परिवार में भी उनका सम्मान बढ़ गया है। इन महिलाओं ने बताया कि वर्ष में लगभग 7 से 8 माह काजू प्रोसेसिंग का कार्य करती हैं।

परमिट शर्तों का उल्लंघन, परिवहन विभाग ने लगाया 1.66 लाख का जुर्माना

कोरबा। परिवहन विभाग ने लगातार दूसरे दिन कार्रवाई करते हुए एक बस पर एक लाख रूपए की पेनाल्टी की। इससे पहले एक बस पर 66 हजार की पेनाल्टी गई थी। दोनों बसें बिहार के लिए चल रही थी। बताया गया कि अगले कुछ दिनों में इस तरह की और भी कार्रवाई होगी।

नये वित्तीय वर्ष की शुरूआत को परिवहन विभाग के पास पेनाल्टी के रूप में अच्छी रकम आयी। उसे पता चला था कि कई बसें अवैध तरीके लेकिन भरपुर सेटिंग के साथ चल रही हैं। छत्तीसगढ़ से बिहार के बीच में इतनी अच्छी सांठगांठ बनी हुई है कि कुछ होता ही नहीं है। सूचना पर संज्ञान लेने के साथ परिवहन विभाग के उडऩ दस्ता ने आज का दिन कार्रवाई के लिए चुना। इस कड़ी में कोरबा से पटना के बीच चलने वाली बस को पकड़ा गया। बिहार से यहां आने के दौरान यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान बस आपरेटर परमिट नहीं दिखा सका। माना गया कि परमिट शर्तों का उल्लंघन इस मामले में किया गया। खबर के अनुसार 52 सीटर यात्री बस पर परिवहन विभाग ने 1लाख रूपए का जुर्माना लगाया है। 24 घंटे पहले एक ट्रैवल्स की यात्री बस पर भी ऐसी कार्रवाई की गई थी और उस पर 66 हजार की पेनाल्टी की गई थी। परिवहन विभाग की हालिया कार्रवाई से हडक़ंप मचा हुआ है। मौजूदा कार्रवाई से कई सवाल खड़े हुए हैं। कोरबा से बिहार के बीच चलने वाली यात्री बसों को छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार की सीमा पार करनी होती है तब कहीं जाकर ये अपने गंतव्य को पहुंचती है। सभी राज्यों ने अपनी सीमाओं पर चेकपोस्ट बना रखें है। वहां पर आरटीओ के साथ-साथ पुलिस की भी ड्यूटी है। लगातार इन क्षेत्रों में वाहनों की जांच होती है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि बिना परमिट वाले ऐसे कितने वाहनों को चेकपोस्ट से यूं ही चलने दिया जा रहा है। जानकार बताते है कि मोटी सांठगांठ के बिना यह काम बिल्कुल संभव नहीं है। ऐसे कार्यों में परिवहन के साथ-साथ प्रशासन और पुलिस के साथ काफी अच्छे रिश्ते बनाए गए हैं।

इससे पहले यही धारणा थी कि हर काम के मामले में बिहार में जंगलराज बना हुआ है। समय के साथ इस मिथक को तोडऩे का काम हुआ अथवा इसे बढ़ाया गया। जिस तरह से छत्तीसगढ़ में परिवहन सेवा के साथ-साथ रेत खनन और डीजल से लेकर कोयला चोरी के मामलों का विस्तार हो रहा है, उससे कहा जा सकता है कि जंगलराज किसी एक हिस्से में सीमित नहीं है। समय के साथ इसकी सीमाएं बढ़ रही हैं और बहुत सारे लोग इसमें लिप्त हो रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि दो अप्रैल से

रायपुर (आरएनएस)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नव संवतसर भगवान झूलेलाल महोत्सव एवं चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ दो अप्रैल से हो रहा है। 9 दिवसीय नवरात्रि के लिए शहर एवं प्रदेश के मंदिर रंगरोगन के साथ सजकर तैयार है। भक्तों की पूजा अर्चना शासन द्वारा निर्धारित सोशल डिस्टेसिंग नियमों के अनुसार प्रवेश के साथ होगी। इस वर्ष नवरात्रि के शुभ अवसर पर पदयात्रियों के लिए दुर्ग चरौदा अंजोरा बाईपास से डोंगरगढ़ जाने के लिए गाइड लाइन बनाई गई है। मां बम्लेश्वरी के दरबार में जाने के लिए भक्तों का जत्था आज से डोंगरगढ़ जाने के लिए राजधानी सहित प्रदेश अन्य हिस्सों से रवाना हो चुका है। शहर के प्राचीनतम महामाया मंदिर, काली मंदिर, महादेव घाट, आकाशवाणी रिंगरोड, दंतेश्वरी मंदिर, शीतला मंदिर पुरानी बस्ती, मरहीमातामंदिर, सतबहनिया मंदिर, कंकालीनमाता मंदिर सहित अन्य माता देवालयों में भक्तों के माता के प्रवेश के लिए मंदिर समितियों द्वारा विशेष इंतजाम किये गये हैं। बुजुर्गों को मंदिर में प्रवेश के लिए इंतजार कराये बिना प्रथम प्राथमिकता के साथ माता के दर्शन कराने की योजना पर भी विभिन्न मंदिर समितियों ने विचार विमर्श किया है।

मिली जानकारी के अनुसार चैत्र नवरात्र शनिवार 2 अप्रैल से, कलश स्थापना व अन्य शुभ मुहूर्त के अनुसार स्थापित होगी।

भारतीय नववर्ष और नवरात्र के लिए भगवामय हुआ नगर, मंदिरों में जलेंगे ज्योति कलश

कोरबा। नगर का हर हिस्सा भगवामय नजर आ रहा है। भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा इसकी शुरुआत और चैत्र नवरात्र को लेकर यह सब तैयारी की गई है। इसी दिन से देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होंगे। यहां पर कई तरह के अनुष्ठान भी किए जाएंगे। यह सिलसिला रामनवमी तक चलेगा।

इस खास अवसर को विशेष बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की गई है। अनेक संगठनों ने इस काम में अपना योगदान दिया है। शहरी क्षेत्र में आकर्षक साज-सज्जा करने के साथ शुभकामना से संबंधित बैनर पोस्टर लगाए गए हैं। यह पूरा नजारा दूरदराज से आने वाले लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करता है और बताता है कि लंबे समय के बाद कोई वृहद आयोजन पावर सिटी में हो रहा है। प्रतिपदा को ही सिंधी समाज झूलेलाल का प्राकट्य दिवस मनाएगा। समाज की ओर से आज शोभा यात्रा निकाली गई। 2 अप्रैल को सुबह से रात तक कई प्रकार के कार्यक्रम कोरबा क्षेत्र में किए जाएंगे। राम जानकी मंदिर सीतामढ़ी से शोभायात्रा निकाली जाएगी इसी तरह कोसा बाड़ी क्षेत्र के हनुमान मंदिर से भी यात्रा निकाली जानी है । राम जानकी मंदिर बुधवारी मैं पहुंचकर इसका समापन होगा कई झांकियों को इसमें शामिल किया जा रहा है।

गेटकीपर की हत्या के मामले में पांचों दोषियों को आजीवन कारावास

कोरबा। नवलपुर रेलवे फाटक के गेटकीपर की उसके ही सहकर्मी ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। करीब डेढ़ साल पहले हुई इस घटना के सभी पांच दोषियों को प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मदवानी और कोथारी के बीच नवलपुर रेलवे क्रासिंग के गेटकीपर हरेश कुमार 32 का रक्तरंजित शव केबिन से करीब 40 मीटर दूर सडक़ किनारे 18-19 अक्टूबर 2020 की रात मिला था। सिर बुरी तरह कुचल दिए जाने की वजह से प्रथम दृष्टया ही हत्या का मामला मानकर पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थल से कुछ दूर झाडिय़ों खून से सना फावड़ा भी मिला। घटनास्थल से गंध लेकर पुलिस डाग नजदीक के ही गांव कचोरा पहुंचा। यहां रहने वाले पवन श्रीवास पिता खगेश्वर 30 के घर के इर्द. गिर्द मंडराने लगा। पुलिस के लिए डाग की ओर से दिए गए यह संकेत काफी थे। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, प्रारंभ में वह गुमराह करते रहा। सख्ती से पूछताछ में उसने हत्या में शामिल होने का अपराध कबूल कर कहानी बताई। अजय कुमार धुर्व पिता स्व. कृष्णा 30 साल कचोरा निवासी भी वहीं नवलपुर रेलवे क्रासिंग में गेटकीपर है। अक्सर ड्यूटी पर लेट आने की वजह से हरेश कुमार उसकी शिकायत अधिकारियों से करता था। इसकी वजह से वह एक बार निलंबित हो चुका था। इसे लेकर नाराज अजय ने अपने साथी छतर यादव पिता ननकीराम 34, प्रेमदास महंत पिता शिवदास 28, शत्रुध्न कुमार गोस्वामी पिता भुवन गिरी 26, व पवन के साथ मिल कर हत्या करने की योजना बनाई। घटना के दिन ही रात करीब पवन के यहां सभी ने शराब पियाए फिर रेलवे क्रासिंग आ धमके और यहा तैनात हरेश का कालर पकड़ कर क्रासिंग से उस पार सडक़ में ले आए और उसकी पिटाई करने लगे। इस बीच अजय ने केबिन से फावड़ा लाकर उसके सिर पर वार कर दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ धारा 302, 201 के तहत मामला पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया। न्यायालय में चली सुनवाई के बाद पांचों को दोषी पाते हुए धारा 302 के तहत आजीवन कारावास व धारा 201 के तहत पांच साल का सश्रम कारावास व 500-500 रुपये अर्थदंड सुनाया गया।

पुलिस अधीक्षक कोरबा ने लिया समीक्षा मीटिंग

- धोखाधड़ी एवं महिला संबंधी अपराधों के निराकरण हेतु दिए निर्देश
- चैत्र नवरात्रि पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने हेतु दिया गया हिदायत

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल द्वारा 31 मार्च-2022 को पुलिस अधीक्षक सभागार में जिले के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक लिया गया।

भोजराम पटेल द्वारा लंबित मामलों के निराकरण, महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्यवाही, धोखाधड़ी के लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण करने, चिटफण्ड के मामलों में फरार डायरेक्टर्स को गिरफ्तार कर, सम्पत्ति चिन्हित कर कुर्क करवाकर निवेशकों को रकम वापस कराने की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर करने पर विशेष जोर दिया गया । इसी प्रकार गुम बच्चों एवम महिलाओं की दस्तयाबी, छोटे बड़े सभी प्रकरणों पर प्रभावी एवम विधिसम्मत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। भोजराम पटेल ने कहा कि अपराधियों, गुंडे बदमाशों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है जिसे जारी रखा जाए, साथ ही लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों को गुंडा निगरानी सूची में लाने के साथ-साथ जिला बदर की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी चैत्र नवरात्रि पर्व के दौरान चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देश दिए गए। समीक्षा मीटिंग में पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय प्रदीप येरेवार, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी सहित जिले के समस्त थाना, चौकी एवं पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी की पुरानी इकाई ने बनाया 101 फीसद पीएलएफ का रिकार्ड

कोरबा। नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन एनटीपीसी कोरबा संयंत्र की 38 वर्ष पुरानी 200 मेगावाट क्षमता की तीन नंबर इकाई ने 101 फीसद प्लांट लोड फैक्टर पीएलएफ अर्जित किया है।

देश की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत उत्पादन कंपनी एनटीपीसी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में पिछले साल की तुलना में 14.6 फीसद वृद्धि दर्ज करते हुए अपने ग्रुप का अब तक का अधिकतम 360 बिलियन यूनिट बीयू उत्पादन दर्ज किया। इस अवधि के दौरान एनटीपीसी ग्रुप ने एक ही दिन में अधिकतम 1215.68 मिलियन यूनिट एमयू उत्पादन किया। कोयला आधारित संयंत्रों ने 88.8 फीसद के उपलब्ध कारक के साथ 70.7 फीसदी का पीएलएफ का दर्ज किया। स्टैंडअलोन आधार पर, एनटीपीसी ने वित्तीय वर्ष में 299 बीयू का उत्पादन किया। इस दृष्टि से कंपनी ने पिछले साल की तुलना में 10.4 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में एनटीपीसी ग्रुप की कुल स्थापित क्षमता में 4.7 फीसद की बढ़ोतरी हुई। 3130 मेगावाट अतिरिक्त जुडऩे के साथ ही एनटीपीसी की अब कुल क्षमता 68940 मेगावाट तक पहुंच गई है। वहीं स्टैंडअलोन आधार पर एनटीपीसी की क्षमता 4.1 फीसद बढक़र 54575 मेगावाट तक पहुंच

गई है। छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी कोरबा व उत्तर प्रदेश में एनटीपीसी सिंगरौली ने पिछले वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की। कोरबा संयंत्र की इकाई क्रमांक तीन व सिंगरौली संयंत्र की इकाई क्रमांक चार की शुरूआत 38 साल पहले हुई थी और दोनों यूनिट ने क्रमश: 101 व 99 फीसद सालाना पीएलएफ दर्ज किया है। एनटीपीसी अपने नव्यकरणीय पोर्टफोलियो को लगातार बढ़ा रही है। इसके तहत गुजरात में कच्छ के रण में सबसे बड़े 4750 मेगावाट नव्यकरणीय ऊर्जा पार्क की स्थापना के लिए नवीन व नव्यकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से अनुमोदन मिल गया है। उम्मीद है कि एनटीपीसी राजस्थान में 10,000 मेगावाट क्षमता की स्थापना करेगी। एनटीपीसी ने 2032 तक 60 गीगावाट नव्यकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के नया लक्ष्य रखा है।

इस साल एनटीपीसी ने हरित हाइड्रोजन,अपशिष्ट से ऊर्जा व ई.मोबिलिटी जैसे नए कारोबार क्षेत्रों में भी अपना विस्तार किया। देश के सबसे बड़े विद्युत उत्पादक ने 2032 तक शुद्ध ऊर्जा घनत्व में 10 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य भी रखा है। एनटीपीसी ने ऊर्जा पर संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय वार्ता के तहत अपने ऊर्जा काम्पैक्ट लक्ष्यों की घोषणा भी की है। एनटीपीसी ऊर्जा कांपैक्ट लक्ष्यों की घोषणा करने वाले दुनिया के कुछ संगठन में एक है। विद्युत उत्पादन के अलावा एनटीपीसी ने स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों जैसे हाइड्रो एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है और हरित हाइडोजन समाधान ला रही है। विद्युत जगत की इस दिग्गज ने ईंधन सैलए ई.परिवहन एवं अपशिष्ट से ऊर्जा सहित कई विविध कारोबार क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU